TotalPages : 8

KN-04

B.A. (Part-I) Examination, 2022

(New Course)

हिन्दी साहित्य

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

[Paper : First]

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Passing Marks : 25

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से **किन्हीं तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : [21]

(क) जाका गुर भी अंधला, चेला खरा निरंध।

अंधे-अंधा ठेलिया, दून्यूँ कूप पड़ंत।।

दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघट्ट।

पूरा किया बिसाहूँणाँ, बहुरि न आँवौ हट्ट।

अथवा

कुहुकि कुहुकि जस कोइल रोई। रकत आँसु घुँघुली बल बोई।।

भइ करमुखी नैन तन राती। को सेराव विरहा दुःख ताती।।

जहँ जहँ ठाढ़ि होई बन वासी। तहँ तहँ होई घुँघुचिह्न कै रासी।।

बूँद बूँद महँ जानहुँ जीऊ। कुंजा गूँजि करहि पिउ पिऊ।।

तेहि दुख भए परास निपाते। लोहू बूड़ि उठे परभाते।।

राते बिंब भीजि तेहि लोहू। परवर पाक, फाट हिय गोहूँ।।

देखौं जहाँ सोइ होई राता। जहाँ सो रतन कहै को बाता।।

(ख) कोऊ आवत है तन स्याम।

वैसेई पट, वैसिय रथ-बैठनि, वैसिय है उर दाम।।

जैसी हुतिं उठिं तैसिय दौरी, छांड़ि सकल गृहकाम।

रोम पुलक, गदगद भइं तिहि छन सोचि अंग अभिराम।।

इतनी कहत आय गए ऊधो, रही ठगी तिहि ठाम।

सूरदास प्रभु ह्यां क्यों आवें बंधे कुब्जा रस स्याम।।

अथवा

केहि हेतु रानि रिसानि परसत पानि पतिहि नेवारई।

मानहुँ सरोष भुअंग भमिनि विषय भांति निहारई।।

दोउ बासना रसना दसन बर मरम ठाहरू देखई।

तुलसी नृपति भवतव्यता बस काम कौतुक लेखई।।

बार बार कह राउ सुमुखि सुलोचनि पिकबचनी।

कारन मोहि सुनाउ गजगामिनि निज कोप कर।।

(ग) हीन भये जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।

नीर सनेही का लाय कलंक निरास हैं कायर त्यागत प्रानै।

प्रीति की रीति सु क्यौं समुझै जड़, मीत के पानि परें को प्रमाने।

या मन की जु दसा घन आनंद जीव की जीवनि जान ही जानैं।।

2. "कबीर एक समाज सुधारक थे, कवि नहीं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए। [12]

अथवा

जायसी को 'प्रेम की पीर' के कवि क्यों कहा जाता है? सप्रमाण उत्तर दीजिए।

3. सूरदास के काव्य का भाव एवं कला पक्ष की विशेषताओं की समीक्षा कीजिए। [12]

अथवा

घनानंद के काव्य-वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

4. निम्न में से **किन्हीं तीन** पर टिप्पणी लिखिए : [15]

(क) विद्यापति की काव्यगत् विशेषताएँ

(ख) रसखान का साहित्यिक परिचय

(ग) विद्यापति का सौन्दर्य-वर्णन

(घ) रहीम की काव्यभाषा

(ङ) काव्य-जगत् में रसखान का स्थान

5. निम्नलिखित के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : [15]

(क) प्राचीन हिन्दी काव्य संकलन के सम्पादक का नाम लिखिए।

(ख) हिन्दी का सर्वप्रथम रहस्यवादी कवि किसे माना गया है?

(ग) कबीर ग्रंथ का क्या नाम है?

(घ) सधुक्कड़ी भाषा किस कवि की काव्य-भाषा है?

(ङ) पद्मावत में चित्रित 'हीरामन शुक' किसका प्रतीक है?

(च) पद्मावत की कथा का आधार क्या है?

(छ) प्रेममार्गी शाखा के प्रमुख कवि का नाम क्या है?

(ज) सूरदास की सर्वश्रेष्ठ रचना का नाम लिखिए।

(झ) सूरदास के किस काव्य-नायक का सम्बन्ध 'मूरली' से है?

(ञ) लोकप्रियता की दृष्टि से तुलसीदास के अमर ग्रंथ का क्या नाम है?

(ट) नरहरिदास का शिष्यत्व किसने ग्रहण किया था?

(ठ) घनानंद किस मुगल सम्राट के मुंशी थे?

(ड) किस कवि को 'मैथिल कोकिल' के नाम से जाना जाता है?

(ढ़) किस कवि को 'खानखाना' की उपाधि मिली थी?

(ण) 'प्रेम वाटिका' के रचनाकार का नाम लिखिए।

----x----